4 राजस्थान में जल संरक्षण एवं जल प्रबन्धन

1. 'अमृतम् जलम्' जल संरक्षण अभियान चलाया गया है?
(1) राजस्थान पत्रिका द्वारा (2) तरूण भारत संघ द्वारा
(3) राजस्थान जल विभाग द्वारा (4) विकल्प 1 व 3 दोनों (1)

व्याख्या– राजस्थान पत्रिका समाचार पत्र द्वारा जल संरक्षण का संदेश देने व प्राचीन जलस्रोतों के संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष यह अभियान चलाया जाता है।

2. वर्षाजल को संग्रहित करने के लिए बनाया जाने वाला भूमिगत हौद क्या कहलाता है?
(1) आगोर (2) जोहड़
(3) नाडी (4) टांका (4)

व्याख्या– रेतीले मरुस्थलीय क्षेत्रों में वर्षा जल को संग्रहित करने के लिए बनाया गया भूमिगत हौद 'टांका' या कुण्ड कहलाता है।

3. नाडी या तालाब में वर्षा जल आने के लिए निर्धारित की गई धरती की सीमा क्या कहलाती है?
(1) खड़ीन (2) पायतान
(3) नेहटा (4) मदार (4)

4. भूमिगत जल का उपयोग करने के लिए बनाये जाने वाले सीढ़ीदार कुएं क्या कहलाते हैं?
(1) बेरा (2) जोहड़
(3) नाडी (4) बावड़ी (4)

व्याख्या– भूमिगत जल का उपयोग करने के लिए बनाये गये सीढ़ीदार कुएँ, जिनमें सीढ़ियों की सहायता से पानी की सतह तक उतरा जा सकता है, उसे बावड़ी कहा जाता है।

5. किसी जलस्रोत में एकत्र किया गया वर्षा का शुद्ध जल क्या कहलाता है?
(1) बारानी (2) पालर पानी
(3) नहरी पानी (4) ब्राइन (2)

6. तालाब या नाडी के आसपास की पक्की भूमि, जहाँ से पानी बहकर तालाब में इक्कठा होता है, क्या कहलाती है?
(1) आगोर (2) नेहटा
(3) मदार (4) पायतन (1)

व्याख्या– तालाब के आसपास की चारों तरफ की भूमि जो पक्की होती है, वह आगोर कहलाती है। आगोर से ही पानी बहकर तालाब/नाडी में जाता है।

7. नाडी या तालाब से अतिरिक्त जल की निकासी के लिए बनाया गया मार्ग क्या कहलाता है?
(1) खडीन (2) पायतान
(3) नेहटा (4) मदार (3)

8. कुएं को मारवाड़ क्षेत्र में किस नाम से जाना जाता है?
(1) टांका (2) बावड़ी
(3) नेहटा (4) बेरा (4)

9. राजस्थान में खड़ीन कृषि का सर्वप्रथम प्रचलन किसने प्रारम्भ किया था?
(1) मारवाड़ के राठौड़ो ने (2) भरतपुर के जाटों ने
(3) जैसलमेर के पालीवालों ने (4) भोमट क्षेत्र के भीलों ने (3)

व्याख्या– खड़ीन कृषि का प्रारम्भ सबसे पहले 15वीं शताब्दी में जैसलमेर के पालीवाल ब्राह्मणों ने किया था। खड़ीन का निर्माण ढ़ाल वाली भूमि के नीचे होता है, जिससे वर्षा का जल बहकर खड़ीन में आ सके। खड़ीन के दो तरफ मिट्टी की पाल होती है तथा एक तरफ पत्थरों से बनी पक्की पाल होती है। वर्षा जल सूखने पर नमीयुक्त भूमि पर की जाने वाली कृषि 'खड़ीन कृषि' कहलाती है। जिस स्थान पर पानी एकत्र होता है, उसे 'खड़ीन' कहा जाता है। पानी रोकने के लिए बनाई गई पाल 'खड़ीन बाँध' कहलाती है।

10. निम्न में से किस जल संग्रहण ढांचे में वर्षा जल एकत्र नहीं किया जाता है?
(1) नाड़ी (2) टोबा (3) झालरा (4) बावड़ी (4)

व्याख्या– नाड़ी, टोबा व झालरा में वर्षा जल का संग्रहण किया जाता है, लेकिन बावड़ी में भूमिगत जल होता है।

11. खड़ीन सिंचाई सर्वाधिक कहाँ होती है?
(1) जैसलमेर (2) डीडवाना–कुचामन
(3) जोधपुर ग्रामीण (4) उदयपुर (1)

12. शेखावाटी क्षेत्र में चूनेदार अध:स्तर अनावृत होने के कारण आसानी से बनाये गये कच्चे कुओं को स्थानीय भाषा में क्या कहा जाता है?
(1) बावड़ी (2) झालरा
(3) रन (4) जोहड़ (4)

13. खड़ीन है–
(1) जल संरक्षण तकनीक (2) मरूस्थलीय घास
(3) बालुका स्तूप का एक प्रकार
(4) जैसलमेर का एक रन क्षेत्र (1)

14. 'तरूण भारत संघ' संगठन निम्न में से किस क्षेत्र के लिए कार्य कर रहा है?
(1) भूमि विकास के लिए (2) जल संरक्षण के लिए
(3) ग्रामीण विकास के लिए (4) इनमें से कोई नहीं (2)

15. निम्नलिखित में कौनसी राजस्थान में परम्परागत जल संरक्षण की विधि नहीं है–
(1) नाली (2) खड़ीन (3) टोबा (4) टांका (1)

16. टांका या कुण्ड में वर्षा जल को संग्रहित करने के लिए उसके चारों की मिट्टी को पक्का कर बनाया गया भाग कहलाता है ?
(1) खडीन (2) पायतान (3) नेहटा (4) मदार (2)

17. प्रसिद्ध चौतीना कुआँ स्थित है?
(1) बीकानेर (2) चुरू (3) अनूपगढ़ (4) नागौर (1)

18. कुएँ से पानी निकालने या चड़स खींचने के काम में ली जाने वाली मोटी रस्सी क्या कहलाती है?
(1) डोली (2) भूण (3) लाव (4) गूण (3)

19. निम्न में से किस जल स्रोत का स्वयं का कोई आगोर नहीं होता है,व अपने से ऊँचाई पर स्थित किसी तालाब या झील के रिसाव का पानी प्राप्त करता है?
(1) झालरा (2) टोबा
(3) जोहड़ (4) टांका (1)

व्याख्या– झालरा का कोई जलस्रोत नहीं होता है वह अपने से ऊँचाई पर स्थित तालाबों/झीलों के रिसाव से पानी प्राप्त करते है झालरा का स्वयं का कोई आगोर नहीं होता है। इनका पानी पीने के काम में नहीं लिया जाता है बल्कि इनका जल धार्मिक रीति–रिवाज सम्पन्न करने, सामूहिक स्नान आदि कार्यों में काम आता है।

20. निम्न में से कौनसा संगठन अलवर में जल संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहा है?
(1) नव भारत संगठन (2) युवा जल संगठन
(3) तरूण भारत संघ (4) जलजीवन संघ (3)
व्याख्या– तरूण भारत संघ एक गैर सरकारी संगठन (NGO) है, इस संगठन की स्थापना 30 मई, 1975 को हुई थी, जो जल संरक्षण एवं वन संरक्षण के मुद्दों पर जागरूकता फैलाने का कार्य करता है। इस संगठन के संस्थापक राजेन्द्र सिंह है, जिन्हें वर्ष 2011 मे रैमन मैग्सेस पुरस्कार मिल चुका है। राजेन्द्र सिंह 'जोहड़ वाले बाबा' के उपनाम से भी जाने जाते हैं। इस संगठन का मुख्य कार्यक्षेत्र अलवर रहा है।

21. मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान कब प्रारम्भ हुआ–
(1) 27 जनवरी, 2016 (2) 27 जनवरी, 2015
(3) 27 जनवरी, 2017 (4) 27 जनवरी, 2018 (1)
व्याख्या– इस अभियान का मुख्य उद्देश्य विभिन्न विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर जनभागीदारी और दानदाताओं के सहयोग से विभिन्न जल संग्रहण ढांचों (तालाब, बावड़ी आदि) का पुनरूद्धार करना है। यह अभियान राजस्थान के सभी जिलों में संचालित किया गया। इसे 27 जनवरी, 2016 को गर्दनखेड़ी (झालावाड़) से प्रारम्भ किया गया।

22. जैसलमेर जिले में पालीवाल ब्राह्मणों द्वारा शुरू की गई परम्परागत जल संरक्षण की विधि कहलाती है–
(1) जोहड़ (2) खड़ीन
(3) टांका (4) बीड़ (2)

23. कौनसा एक राजस्थान में वर्षा जल संग्रहण की परम्परागत विधि है?
(1) बावड़ी (2) कुआँ
(3) टांका (4) नेहटा (3)

24. .... आकृति में लगभग नाडी के समान ही होता है लेकिन नाडी से अधिक गहरा होता है–
(1) आगोर (2) बेरा
(3) टोबा (4) झालरा (3)

25. खेतों, घरों, गढ़ों एवं दुर्गों में वर्षा जल संग्रहित करने हेतु निर्मित की जाने वाली संरचनाएँ है?
(1) खड़ीन (2) टांका
(3) नाडी (4) पोखर (2)

26. राजस्थान में टांका और खड़ीन प्रकार है?
(1) परम्परागत युद्धकौशल
(2) परम्परागत जल संरक्षण तकनीक
(3) परम्परागत कृषि पद्धति
(4) परम्परागत लोकनृत्य (2)

27. वर्षा जल संचयन क्या है?
(1) पानी का वितरण
(2) उपयोग किए गए पानी का संग्रह और भंडारण
(3) वर्षा जल का संग्रह और भंडारण
(4) इनमें से कोई नहीं (3)

28. निम्न में से कौनसे जल प्रदूषण के कारण हो सकते है?
(1) घरेलू अपशिष्ट पदार्थो को जल में डालना।
(2) महासागरों में जहाजों से तेल का रिसाव होना।
(3) जलाशयों के निकट कपड़े धोना एवं पशुओं को नहलाना।
(4) कल-कारखानों एवं उद्योगों से निकले ठोस अपशिष्ट पदार्थो तथा रासायनिक तत्वों को जल में डालना।
(A) 1,2 व 4 (B) केवल 3 व 4
(C) 1,2,3 व 4 (D) केवल 3 (C)

29. निम्न में से कौनसी परम्परागत जल संरक्षण की विधि नहीं है?
(1) नाडी (2) खड़ीन
(3) तालाब (4) इनमें से कोई नहीं (4)

30. खड़ीन सिंचाई पद्धति लोकप्रिय है–
(1) जोधपुर (2) जयपुर
(3) जैसलमेर (4) बीकानेर (3)

राजस्थान की सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए सर्वश्रेष्ठ पुस्तकें –

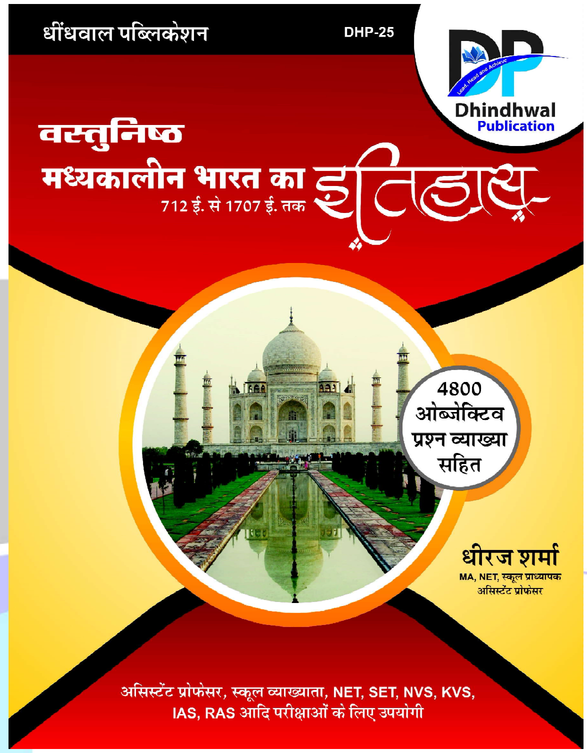

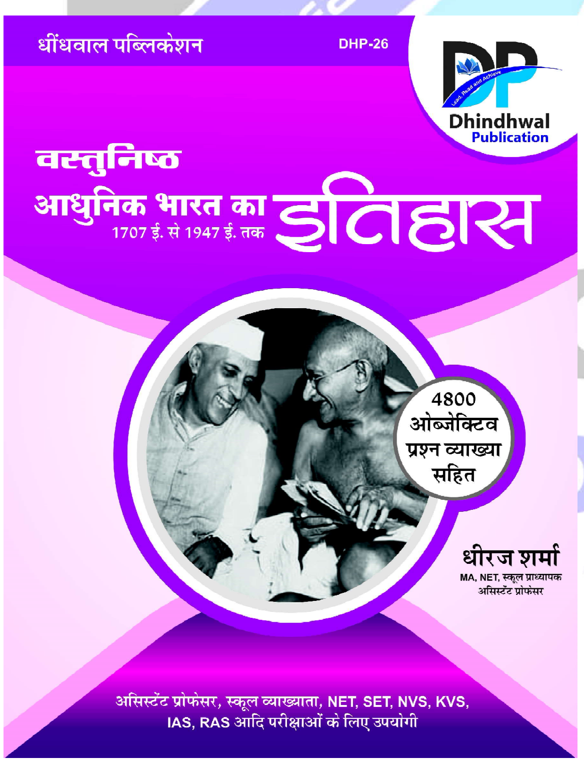

टेलीग्राम से जुड़ने के लिए

@DHINDHWAL2023GK

– Dhindhwal Publication

– धींधवाल पब्लिकेशन

– Dhindhwal Classes

– @Publication-DP

– Dhindhwal Publication

धींधवाल पब्लिकेशन की उपरोक्त पुस्तकें राजस्थान के सभी शहरों में प्रमुख बुक स्टोर पर उपलब्ध है। ऑनलाईन ऑर्डर कर घर बैठे मंगवाने के लिए मोबाईल नंबर 7725969600 (कानाराम जी) पर फोन या वाट्सअप मैसेज करें।